पाठ 13 - मैंसबसेछोटी ह

पष्ठृ संख्या:118

प्रश्न अभ्यास

कविता से

1. कविता मेंसबसेछोटेहोनेकी कल्पना क्यों की गई है?

उत्तर

कविता मेंसबसेछोटेहोनेकी कल्पना इसविए की गई हैक्योंवक घर केसबसेछोटेसदस्य को सभी ोगों का प्यार और दारु अविक वमिता हैऔर खासकर माँकेसाथ तो उसका जड़ाु कुछ ज्यादा ही होता है।

2. कविता में'ऐसी बड़ी न होऊँमैं'क्यों कहा गया है?

उत्तर

अपनेमाँकेस्नेहको हमेशापानेकेविए, हमेशाउसकेममता केआँचिकेसाए मेंरहनेकेविए कविता में'ऐसी बड़ी न होऊँमैं'कहा गया है।

3. कविता मेंवकसकेआँचिकी छाया मेंवछपेरहनेकी बात कही गई हैऔर क्यों?

उत्तर

कविता मेंमाँकेआँचिकी छाया मेंवछपेरहनेकी बात कही गई हैक्योंवक माँअपनेबच्चों से सबसेअविक प्यार करती है।उसकेआँचिमेंबच्चा हमेशाअपनेको वनभभयऔर सरवितु महससू करता है।

4. आशय स्पष्ट करो - हाथ
पकड़ विर सदा हमारे साथ
नहीं विरती वदन-रात!

उत्तर

इन पवियोंं का आशय हैवक बड़ेहोनेपर बचपन की तरह माँहमारेसाथ नहीं चितीं। उनसेहमारा ररश्ता छूट जाता है।

कविता सेआगे

5. कविता सेपता करकेविखो वक माँबच्चों केविए क्या-क्या काम करती है? तमु स्ंियसोचकर यह भी विखो वक बच्चों को माँकेविए क्या-क्या करना चावहए?

उत्तर

कविता केअनसारु माँबच्चों को गोद मेंसिातीु हैं,अपनेआँचिकेसायेमेंरखती हैं,हाथ

पकड़कर चिना वसखाती हैं,वखिाती हैं,सजाती हैंतथा पररयों की कहावनयाँसनानेुआवद का काम करती हैं।

बच्चों को भी अपनी माँकी बातों को मानना चावहए, उन्हेंपरेशाननहीं करना चावहए और उन्हेंदुःख नहीं पहचाँना चावहए।

2. बच्चों को प्राय: सभी ि ेत्रोंमेंबड़ा होनेकेविए कहा जाता है।इस कविता मेंबाविका सबसे छोटी बनी रहनाक्यों चाहती है?

उत्तर

इस कविता मेंबाविका सबसेछोटी बनी रहना इसविए चाहती हैंतावक उसेहमेशाअपनी माँका प्यार वमिता रहे।ि ो सदा अपनी माँकेआँचिमेंवनभभयऔर सरवितु रहे।

पष्ठृ सख्यां: 119

भाषा की बात

1. 'पकड़-पकड़कर' की तरह नीचेविखेशब्दों को परा ू करो और उनसेि ाक्य भी बनाओ
- छोड़, बना, विर, वखिा, पोंछ, थमा, सना ु, कह, वदखा, वछपा।

उत्तर

छोड़ (छोड़कर) - घर का सारा काम छोड़कर तमु बात करनेमेंि गेहो।
बना (बनाकर) - रोवहत नेचाय बनाकर वपिाया। विर (विरकर) - तमु थोड़ी देरघमू-विरकर आओ। वखिा (वखिाकर) - तम्हें ु वखिाकर ही मैंखाऊँ। गा पोंछ (पोंछकर) - मोवहत नेसामान को पोंछकर रखा था। थमा (थमाकर) - इतना भारी सामान थमाकर ि ह भाग गया। सना ु (सनाकरु) - नानी मझुेकहानी सनाकरु सिाया ु करती हैं। कह (कहकर) - मैंनेउसेतम्हारी ु बात कहकर ही उसेपस्तकु दी। वदखा (वदखाकर) - तम्हें ु वदखाकर मैंहर काम नहीं करूँ । गा

वछपा (वछपाकर) - हमेंबड़ों सेवछपाकर कोई काम नहीं करना चावहए।

2. इन शब्दों केसमान अथभिि ेदो-दो शब्द विखो
- हाथ, सदा, मखु, माता, स्नेह।

उत्तर

हाथ - कर, हस्त

सदा - हमेशा, सिभदा

मखु - माँहु, आनन

माता - माॉं,जननी

स्नेह- प्यार, प्रेम

3. कविता में'वदन-रात' शब्द आया है।तमु भी ऐसेपाँच शब्द सोचकर विखो वजनमेंवकसी शब्द का विि ोम शब्द भी शावमि हो और उनकेि ाक्य बनाओ।

उत्तर

जीि न-मरण - जीि न-मरण तो इस जीि न का अहम वहस्सा है। सखु-दुःख - जीि न मेंसखु-दुःख वनरंतर चितेरहतेहैं। उल्टा-सीि ा - तम्हेुकोई भी उल्टा-सीि ा काम नहीं करना चावहए।

ि ाभ-हावन - हर काम करनेसेपहिहमेंउसकेि ाभ-हावन केबारेमेंसोचना चावहए। वमत्र-शत्र ु- मोवहत को वमत्र-शत्र ुकी पहचान नहीं है।

4. 'वनभभय' शब्दो में'वन' उपसगभिगाकर शब्द बनाया गया है।तमु भी 'वन' उपसगभसेपाँचशब्द बनाओ।

उत्तर

वनश्छि

वनकम्मा

वनबभि

वनगभणु

वनराकार

5. कविता की वकन्हीं चार पवियोंः को गद्य मेंविखो।

उत्तर

मैंसबसेछोटी होऊाँ,
तेरीगोदी मेंसोऊाँ,
तेराअचिं पकड़-पकड़कर,
विराँसदा माँ!तेरेसाथ,

मैंसबसेछोटी होना चाहती ह ाँतावक मैंतेरीगोदी मेंसो पाऊँतेरा।आाँचिपकड़कर माँमैंतम्हारे साथ विरना चाहती ह।ाँ